

Bureau of Indian Standards
Public Relations Department

FOR IMMEDIATE RELEASE

Ref No: PRD/Press Note/25/2022-23

Date: 22/02/2023

BIS Signs MoU with IIT Guwahati, IIT Gandhinagar and NIT Calicut

The MoU will strengthen and enhance the standards formulation activity by facilitating Research & Development projects, encouraging involvement of young minds: Pramod Kumar Tiwari, Director General, BIS

Bureau of Indian Standards (BIS) signed Memorandum of Understanding (MoU) with IIT Guwahati, IIT Gandhinagar and NIT Calicut recently at BIS HQs for establishment of 'BIS Standardization Chair Professor' at these institutes. This is an initiative towards institutionalizing its engagement with the eminent institutes of the country for securing active participation of academia in standards formulation and making teaching of Indian standards an integral part of the curriculum.

The BIS Standardization Chair is created for research and development, teaching and training in the field of Standardization and Conformity Assessment in the country with focus on the areas of Civil, Electrical, Mechanical, Chemical, Earthquake Engineering, Development and Management of water resources and renewable energy projects, Infrastructure Development, Medical Biotechnology & Nanotechnology, Biomaterials, etc. This will promote excellence and leadership in teaching and research & development in the field of science and various disciplines.

On this occasion, Shri Pramod Kumar Tiwari, Director General, BIS said that the MoUs between the premier academic institutes and BIS would strengthen and enhance the standards formulation activity by facilitating Research & Development projects, encouraging involvement of young minds in the area of standardization process and jointly organizing seminars, conferences, workshops symposia or lectures, training and short-term education programs. He also emphasized on the need to engage with start-ups and incubation centres at academic institutions in formulation of new standards and compliance with the existing. He further expressed his anticipation that technology innovation and standards development shall be interwoven seamlessly to foster development.

Prof. Parameswar K. Iyer, Officiating Director IIT Guwahati; Prof Rajat Moona, Director IIT Gandhinagar; Prof Prasad Krishna, Director NIT Calicut (connected through VC) assured commitment towards this initiative and agreed to take forward the collaboration with BIS.

Public Relations Department

भारतीय मानक ब्यूरो
जनसंपर्क विभाग

तत्काल जारी करने हेतु

संदर्भ संख्या: पीआरडी/प्रेस नोट/25/2022-23

दिनांक: 22/02/2023

भारतीय मानक ब्यूरो ने आईआईटी गुवाहाटी, आईआईटी गांधीनगर और एनआईटी कालीकट के साथ
समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

यह समझौता ज्ञापन अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को सुगम बनाकर मानक निर्धारण गतिविधि को सशक्त करेगा: श्री प्रमोद कुमार तिवारी, महानिदेशक, बीआईएस

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा हाल ही में 'बीआईएस मानकीकरण पीठ (चेयर) प्रोफेसर' की स्थापना के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कालीकट के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। मानकों के निर्धारण में शिक्षाविदों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने और भारतीय मानकों का शिक्षण पाठ्यक्रमों का एक अभिन्न अंग बनाने हेतु देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ अपने विनियोजन को संस्थागत बनाने की दिशा में यह एक पहल है।

देश में सिविल, विद्युत, यांत्रिक, रसायन, भूकंप अभियांत्रिकी, जल संसाधन के विकास और प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं, बुनियादी ढांचे का विकास, चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी व नैनो प्रौद्योगिकी, जैव पदार्थ आदि के क्षेत्रों पर ध्यान देने के साथ मानकीकरण और अनुरूपता मूल्यांकन के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास तथा शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए बीआईएस मानकीकरण पीठ (चेयर) का सृजन किया गया है। यह विज्ञान और विभिन्न विषयों के क्षेत्र में शिक्षण एवं अनुसंधान और विकास में उत्कृष्टता तथा नेतृत्व को बढ़ावा देगा।

इस अवसर पर, श्री प्रमोद कुमार तिवारी, महानिदेशक, बीआईएस ने कहा कि उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थानों और भारतीय मानक ब्यूरो के बीच समझौता ज्ञापन अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को सुगम बनाकर मानक निर्धारण गतिविधि को सशक्त करेगा और संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं, विचार-गोष्ठियों या व्याख्यानो, प्रशिक्षण और अल्पकालिक शैक्षणिक कार्यक्रमों की प्रक्रिया तथा संयुक्त आयोजनों से मानकीकरण प्रक्रिया के क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने नए मानकों के निर्धारण करने और मौजूदा के अनुपालन में शैक्षणिक संस्थानों, स्टार्ट-अप और उद्भव केंद्रों के साथ विनियोजन की आवश्यकता पर भी बल दिया। महानिदेशक ने यह भी कहा कि यह भी प्रत्याशित है कि प्रौद्योगिकी उन्मुख उत्पादों और सेवाओं के विकास को बढ़ावा देने हेतु प्रौद्योगिकी नवाचार और मानकों के विकास को एक साथ जोड़ा जाएगा।

प्रोफेसर परमेश्वर के. अय्यर, कार्यकारी निदेशक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी; प्रोफेसर रजत मूना, निदेशक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर; प्रोफेसर प्रसाद कृष्ण, निदेशक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कालीकट (कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े) ने इस पहल के प्रति प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया और भारतीय मानक ब्यूरो के साथ सहयोग को आगे बढ़ाने हेतु अपनी सहमति दी।





